



न्यायालय

सहायक कलक्टर/उपखण्ड अधिकारी

थानागाजी-अलवर

(पीठासीन अधिकारी -केशव कुमार मीना आर.ए.एस.)

प्रार्थना पत्र सं.:- 2022/92

दर्ज तिथि:-29.04.2022

1. लक्ष्मण पुत्र लादू जाति बलाई निवासी टोडा पोस्ट लालपुरा तहसील थानागाजी जिला अलवर राज0

— प्रार्थी

बनाम

1. राजस्थान सरकार जरिये तहसीलदार तहसील थानागाजी जिला अलवर राज0
2. राजस्थान सरकार जरिये जिला कलक्टर अलवर राज0

..... अप्रार्थीगण

उपस्थित

प्रार्थी अधिवक्ता:- श्री विजय बराला।

अप्रार्थी अधिवक्ता:- श्री देवीसहाय शर्मा।

पैरोकार सरकार।

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा-128

राजस्थान भू-राजस्व अधि-1956

:-निर्णय:-

निर्णय तिथि:-03.07.2023

1. आज यह पत्रावली प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा-128 राजस्थान भू-राजस्व अधि-1956 वास्ते निर्णय हेतु पेश हुई। प्रकरण का सुक्ष्म वृत्तान्त इस प्रकार से है कि प्रार्थी द्वारा प्रार्थना पत्र पेश कर निवेदन किया कि प्रार्थी की हाल आराजी खसरा नम्बर 73/0.01 है0, नम्बर 74/0.50 है0 वाके ग्राम टोडा तहसील थानागाजी जिला अलवर में स्थित है। उक्त वर्णित आराजी प्रार्थी की कब्जेकाश्त खातेदारी की सालिम आराजी है एवं आराजी पर प्रार्थी काबिज रहकर बिना किसी बाधा वो रूकावट के काश्त करता चला आ रहा है। उक्त खातेदारी आराजी से अप्रार्थीगण का कोई हक संबंध किसी प्रकार का नहीं है। अप्रार्थीगण प्रार्थी की आराजी के कार्यकाश्त में बाधा डालते हैं। उक्त आराजी का मौके पर सीमांकन नहीं होने से प्रार्थी द्वारा सीमांकन कराए जाने बाबत तहसीलदार थानागाजी के यहां प्रार्थना-पत्र पेश किया जिस पर तहसीलदार थानागाजी द्वारा दिनांक 03.07.2017 को मौके पर उपस्थित होकर उक्त आराजी का सीमांकन कराकर निशानदेही कराई गई। परन्तु अप्रार्थीगण पैमाइश को नहीं मान रहे है तथा प्रार्थीगण की आराजी को अपनी आराजी में मिलाना चाहते है। अब प्रार्थी मुताबिक पैमाइश रिपोर्ट दिनांक 03.07.2017 के आधार पर आराजी की पत्थरगढ़ी कराना चाहता है। अंत में प्रार्थना-पत्र प्रार्थी



स्वीकार कर आराजी उक्त की पत्थरगढी मुताबिक पैमाइश के अनुसार कराए जाने के आदेश जारी करने का निवेदन किया गया।

2. प्रार्थी का प्रार्थना पत्र दर्ज रजिस्टर किया गया एवं अप्रार्थीगण को जरिये नोटिस तलब किया गया। प्रकरण में तहसीलदार थानागाजी को पत्र क्रमांक कोर्ट/2023/1022 दिनांक 17.01.2023 द्वारा बिन्दुवार विस्तृत तथ्यात्मक रिपोर्ट निर्धारित चैकलिस्ट में तैयार करने हेतु लिखा गया। जिसकी पालना में पटवार हल्का लालपुरा ने मौके पर जाकर निर्धारित चैकलिस्ट में बिन्दुवार विस्तृत तथ्यात्मक रिपोर्ट दिनांक 09.02.2023 तैयार कर न्यायालय हाजा में प्रस्तुत की।
3. प्रकरण में पटवारी हल्का की तथ्यात्मक रिपोर्ट द्वारा अवगत कराया गया कि उक्त आराजी के समीपवर्ती काश्तकारों 1. रामनारायण पुत्र रामसहाय जाति कुम्हार 2. बाबूलाल पुत्र सुण्डा जाति बलाई 3. भागीरथ पुत्र रामसहाय जाति कुम्हार 4. पप्पू पुत्र रामसहाय जाति कुम्हार 5. कल्याण पुत्र रामसहाय जाति कुम्हार 6. सूरजी पत्नी प्रभात जाति बलाई समस्त निवासीयान ग्राम टोडा से सीमा विवाद है। अतः उक्त काश्तकारों को जरिये नोटिस तलब किया गया तथा उनकी ओर से अधिवक्ता श्री देवीसहाय शर्मा ने वकालतनामा पेश कर लिखित बहस प्रस्तुत की।
4. प्रकरण में न्यायालय द्वारा विद्वान अधिवक्तागण की बहस सुनी गई। दौराने बहस प्रार्थी अधिवक्ता द्वारा प्रार्थना-पत्र में अंकित तथ्यों को दोहराते हुए प्रार्थना-पत्र प्रार्थी स्वीकार कर आराजी की मुताबिक पैमाइश दिनांक 03.07.2017 के अनुसार पत्थरगढी के आदेश जारी करने का निवेदन किया है। अप्रार्थी अधिवक्ता ने लिखित बहस प्रस्तुत कर निवेदन किया कि प्रार्थी की खातेदारी आराजी संख्या 73/0.01 है0, नम्बर 74/0.50 है0 वाके ग्राम टोडा का रकबा नक्शा तितम्बा में जमाबंदी से अधिक दर्शाया गया है। यदि वर्तमान राजस्व नक्शा तितम्बा के अनुसार पैमाइश की जाती है तो प्रार्थी की आराजी की नाप पडोसी खातेदारान की आराजी खसरा संख्या 81 व 82 में जाती है जिससे पडोसी खातेदारान को नापूर्ति क्षति होगी। यदि प्रार्थी की आराजी की पत्थरगढी कराई जाती है तो पहले प्रार्थी अपनी आराजी 73/0.01 है0, नम्बर 74/0.50 है0 का राजस्व नक्शा दुरुस्त करवाकर रकबा बरारी मुताबिक जमाबन्दी करावें एवं बाद में पत्थरगढी करवाये। इस बाबत् पटवारी द्वारा तैयार रिपोर्ट दिनांक 09.02.2023 की जाँच रिपोर्ट के बिन्दु संख्या 07 में हल्का पटवारी में राजस्व रिकॉर्ड नक्शा व मौका की स्थिति होने की बात का खुलासा स्पष्ट रूप से किया है। इसलिए बिना नक्शा दुरुस्ती किये पत्थरगढी से मौके पर अनावश्यक विवाद की स्थिति पैदा होगी। अन्त में अप्रार्थी अधिवक्ता ने निवेदन किया कि प्रार्थी का प्रार्थना-पत्र मय खर्चा खारिज फरमाया जावे।
5. मैंने बहस प्रार्थी अधिवक्ता पर मनन किया। प्रकरण में सर्वप्रथम राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम-1956 की धारा-111 का उद्धरण यहां प्रासंगिक है। जो कि इस प्रकार है:-

111. Decision of disputes as to boundaries.—(1) In case of any dispute concerning any boundaries the Land Records Officer shall decide such dispute, so far as possible, on the basis of the existing survey maps and, where this is not possible or such maps are not available, on the basis of actual possession.

(2) If, in the course of an inquiry into a dispute under this section the Land Records Officer is unable to satisfy himself as to which party is

in the possession or it if is shown that possession has been obtained by wrongful dispossession of the lawful occupants within a period of three months previous to the commencement of the inquiry, the Land Records Officer shall ascertain by summary inquiry who is the party best entitled to possession and shall then fix the boundary accordingly.

6. राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम-1956 की धारा-111 के अनुसार खसरो की सीमाओं के विवाद को हाल राजस्व नक्शे के अनुसार तथा हाल राजस्व नक्शे के उपलब्ध न होने पर वास्तविक कब्जे के आधार पर निस्तारित किये जाने के प्रावधान बनाये गये है। खसरो की सीमाओं के विवाद को निस्तारित करने की प्रक्रिया के सम्बन्ध में राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम-1956 की धारा-128 के तहत प्रावधान बनाये गये है। अतः प्रकरण में साथ ही राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम-1956 की धारा-128 का उद्धरण यहां प्रासंगिक है। जो कि इस प्रकार है:-

128. Boundary disputes. - *All disputes concerning boundaries shall be decided by the Land Record Officer in the manner laid down in section 111:*

Provided that applications in relation to boundaries of fields may be made to and disposed of by the Tehsildar in cases where there exists no dispute as to such boundaries but on account of the absence of proper boundary marks there is the likelihood of such a dispute arising.

7. उक्त विधिक प्रावधानों के संदर्भ में पत्रावली पर संलग्न दस्तावेजात् जमाबंदी संवत् 2075-78 वाकै ग्राम टोडा में राजस्व इन्द्राज एवं तहसीलदार थानागाजी द्वारा किये गये सीमांकन रिपोर्ट का ध्यानपूर्वक टोडा के अंकित इन्द्राज के अनुसार उक्त आराजी प्रार्थी की सालिम खातेदारी की आराजी होना साबित है। साथ ही संलग्न रिपोर्ट पैमाइश दिनांक 03.07.2017 से भी यह तथ्य प्रार्थी साबित है कि प्रार्थी द्वारा तहसीलदार थानागाजी के माध्यम से हल्का पटवारी से युक्त वर्णित आराजी की पैमाइश कराई जा चुकी है। सीमाज्ञान रिपोर्ट में पटवारी हल्का द्वारा मौके पर उपस्थित लोगों के समक्ष सीमाज्ञान किया जाकर प्रार्थी को संतुष्ट किया गया है। तहसीलदार रिपोर्ट दिनांक 24.02.2023 के अनुसार उक्त वर्णित आराजी की खसरे की सीमाओं को लेकर अप्रार्थी के साथ सीमा विवाद है। इस प्रकार प्रार्थी की अपनी कब्जेशुदा खातेदारी आराजी की सुरक्षा तथा सीमा विवाद के निस्तारण हेतु पत्थरगढी के प्रार्थना पत्र को स्वीकार किया जाकर आदेश जारी किया जाना उचित प्रतीत होता है। परन्तु पटवारी हल्का की रिपोर्ट दिनांक 09.12.2021 तथा दौराने बहस प्रस्तुत तथ्यों के अनुसार प्रार्थी व अप्रार्थी दोनों की खातेदारी आराजी का राजस्व नक्शे में तितम्मा समानुपातिक रकबे का अंकित नहीं होकर रकबा बरारी अनुसार ज्यादा क्षेत्रफल का अंकित है। इस प्रकार पत्थरगढी से पूर्व रकबा बरारी किया जाना आवश्यक है। अतः

आदेश है कि

प्रार्थना-पत्र प्रार्थी अंतर्गत धारा-128 भू-राजस्व अधिनियम-1956 के बाबत् पत्थरगढी किये जाने का स्वीकार किया जाता है तथा हाल आराजी खसरा नम्बर 73/0.01 है0, नम्बर 74/0.50 है0 वाके ग्राम टोडा तहसील थानागाजी जिला अलवर पर प्रार्थी एवं संबंधित

पक्षकारों/हितधारकों की पूर्व सूचित उपस्थिति में खातेदारी आराजी पर पत्थरगढ़ी किये जाने के आदेश तहसीलदार थानागाजी को दिये जाते हैं एवं साथ ही निर्देश दिये जाते हैं कि प्रार्थी तथा अप्रार्थी अपनी-अपनी आराजी की रकबा बरारी आवश्यक रूप से करवाने के पश्चात अप्रार्थी को मौके पर उपस्थित रहने बाबत जरिये नोटिस पूर्वसूचित करते हुए पत्थरगढ़ी की जाकर पालना रिपोर्ट न्यायालय को अवगत करायें। पक्षकार अपना-अपना खर्चा स्वयं वहन करेंगे।

आदेश प्रति पालनार्थ हेतु तहसीलदार थानागाजी को भिजवाई जावें। अहकाम पृथक से जारी किया जावे।

यह आदेश मेरे द्वारा आज दिनांक 03.07.2023 को खुले न्यायालय में लिखवाया जाकर हस्ताक्षर व मोहर युक्त जारी किया गया।

(केशव कुमार मीना आर.ए.एस.)
उपखण्ड अधिकारी
थानागाजी (अलवर)

सत्यमेव जयते

थानागाजी-अलवर